

### **Rising number of cases of road accidents in India**

DR. L. HANUMANTHAI AH (Karnataka): In India, information regarding road traffic accidents is gathered through two reports, namely, 'Road Accidents in India' published by the Ministry of Road Transport and Highways, and, 'Crime in India' released by the National Crime Records Bureau (NCRB). The data is solely sourced from police departments. Details about crashes are recorded through FIRs filed by involved parties, witnesses or on-site police officers. In 2022, there were 1,50,998 cases reported for deaths due to negligence relating to road accidents. This is a 10.5 per cent rise from cases reported during 2019 with 1,36,587 cases, which is alarming and requires immediate intervention.

However, the reporting process itself has limitations. The majoring of cases are attributed to human error, overlooking other factors such as vehicle and infrastructure issues. The cause of the crash is documented as the fault of a road user, without considering other contributing elements.

Furthermore, the reporting mechanism does not account for fatalities occurring in hospitals after 30 days, as highlighted in the 'Road Accidents in India — 2019' report published by the Ministry of Road Transport itself. The World Health Organisation categorized India's official data on road traffic fatalities as either 'unusable' or 'unavailable' due to 'quality issues' in their 2019 Global Health Estimates released in December, 2020. I would like to urge the Government to adopt revised methodologies for collecting road traffic accident data that align with international standards.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. SASMIT PATRA): The following hon. Members associated themselves with the Special Mention made by Dr. L. Hanumanthai ah: Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Dr. John Brittas (Kerala).

### **Need to prohibit setting up coal plants in non-coal producing areas**

**श्री रामचंद्र जांगड़ा** (हरियाणा) : महोदय, बढ़ता हुआ वायु प्रदूषण इन दिनों पूरी मानवता, पशु-पक्षी सबके लिए गंभीर खतरा एवं चुनौती है। महोदय, वायु प्रदूषण के लिए वैसे तो बहुत से कारण हैं, लेकिन इसमें सबसे बड़ा घटक कोयला आधारित बिजली संयंत्र हैं। महोदय, एक समय था जब लोड फैक्टर के मध्य में बिजली संयंत्र लगाया जाता था, जैसे बठिंडा, पानीपत आदि ताकि चारों तरफ बिजली की आपूर्ति हो सके, लेकिन पूरे देश में ग्रिड सिस्टम के विस्तार के बाद इसकी

आवश्यकता नहीं थी, क्योंकि कहीं से भी बिजली संयंत्र को ग्रिड से जोड़कर बिजली को उपयुक्त जगह पर पहुंचाया जा सकता था।

महोदय, जिन प्रदेशों में कोयला खदानें हैं, वहां भूमि भी सस्ती है तथा जंगलों की भी बहुतायत है। इसके अतिरिक्त उन प्रदेशों में वर्षा भी भरपूर होती है। लेकिन इसके बाद भी हरियाणा जैसे कोयला खदानों से सुदूर प्रदेशों में जो एनटीपीसी व सीएलपीसी झाड़ली (झज्जर) व खेदड़ (हिसार) में अदूरदर्शी फैसले लेकर प्लांट लगाए गए। यही प्लांट कोयला खदान वाले क्षेत्रों में आधी कीमत पर लगाए जा सकते थे। तथा कोयले की दुलाई पर जो खर्च आने से बिजली की लागत बढ़ती है वह भी ग्रिड के माध्यम से चौथाई लागत से भी कम में बिजली लाई जा सकती थी। कोयले से भरी मालगाड़ियां हजारों कि.मी. कोयले की धूल छोड़ती जाती हैं तथा डीजल इंजनों से जो प्रदूषण होता है, उसका अंदाजा लगाया जा सकता है।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से आग्रह है कि भविष्य में कोयला आधारित बिजली संयंत्रों की गैर कोयला उत्पादन राज्यों में मंजूरी न दी जाए तथा जहाँ पहले से ऐसे संयंत्र लगे हैं, उनकी विस्थापन की योजना भी बनायी जाए।

### **Demand to start Instrument Landing System at MBB Airport, Agartala**

**श्री विप्लव कुमार देब (त्रिपुरा):** महोदय, मैं आपके माध्यम से केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय को त्रिपुरा से संबंधित एक महत्वपूर्ण विषय से अवगत कराना चाहता हूँ।

एम.बी.बी. (MBB) हवाई अड्डा, अगरतला एक आई.एफ.आर (Instrument flight rules) हवाई अड्डा है, जहां विमान के पहुंचने, उतरने और उड़ान भरने को नेविगेशनल (navigational), दृश्य सहायता और उपकरण लैंडिंग सहायता के माध्यम से निर्देशित (guide) किया जाता है। Instrument Landing System (ILS) का उपयोग accurate landing सहायता के रूप में किया जाता है, जो सामान्य और सही मौसम की स्थिति में रनवे (runway) पर उतरने के लिए विमान का मार्गदर्शन करता है।

एम.बी.बी. हवाई अड्डा अगरतला में पुराने ILS की नई प्रणाली से बदल दिया गया है। नया आई.एल.एस इंस्टालेशन (ILS installation) का काम पूरा हो चुका है। Airports Authority of India के विमान द्वारा ग्राउंड कैलिब्रेशन और एयर कैलिब्रेशन 27 नवंबर, 2023 को पूरा हो चुका है। अगले फेज में कैलिब्रेशन रिपोर्ट के आधार पर उपकरण प्रक्रियाएं (processes) विकसित की जाएंगी और इसे अनुमति के लिए DGCA को भेजा जाएगा। DGCA की मंजूरी के बाद इस सिस्टम को चालू कर दिया जाएगा। महोदय, आजकल कोहरा (fog) के कारण बहुत सी फ्लाइट्स एम.बी.बी. एयरपोर्ट पर उतर नहीं सकतीं और उन्हें दूसरे स्थान पर divert करना पड़ता है। इससे passengers को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है और उन्हें आर्थिक बोझ भी उठाना पड़ता है। अतः केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय से अनुरोध है कि इस दिशा में DGCA की मंजूरी शीघ्रता से प्रदान की जाए, जिससे ILS को MBB Airport, अगरतला में शुरू किया जा सके।